

प्रीलमिस फैक्ट्स : 28 अगस्त, 2018

प्रथम जैव-ईंधन उड़ान

- जेट्रोफा बीज से निर्मित तेल और वमिनिन टरबाइन ईंधन के मश्रिण से प्रणोदति उड़ान देश की पहली जैव जेट ईंधन संचालति उड़ान होगी ।
- उल्लेखनीय है कि यह उड़ान सेवा दलिली से देहरादून के बीच संचालति हुई, जिसमें 43 मिनट का समय लगा । यह सेवा स्पाइस जेट (Bombardier Q-400) द्वारा मुहैया कराया गया । इस उड़ान में चालक दल के पाँच सदस्यों सहति कुल 25 व्यक्तिसिवार थे ।
- वमिनिन के ईंधन में जैव-ईंधन और वमिनिन टरबाइन ईंधन का अनुपात 25:75 था । ध्यातव्य है कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, वमिनिन टरबाइन ईंधन के साथ 50% की दर से जैव ईंधन मश्रिति करने की अनुमतप्राप्त है ।
- उल्लेखनीय है कि देहरादून स्थति वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परषिद के साथ भारतीय पेट्रोलियम संस्थान को स्वदेशी रूप से ईंधन के निर्माण में आठ वर्ष का समय लग गया ।
- ध्यातव्य है कि 2008 में वर्जनि अटलांटिक द्वारा वैश्विक स्तर पर पहली टेस्ट उड़ान के बाद ही संस्थान ने जैव ईंधन पर अपना प्रयोग कार्य शुरु किया था ।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शांतिमिशन, 2018

- SCO शांतिमिशन अभ्यास, 2018 चेबरकुल (रूस) में औपचारिक तौर पर शुरु हुआ । यह अभ्यास शांतिमिशन श्रृंखला में नवीनतम है । इस अभ्यास में सभी आठ सदस्य देशों की सैनिक टुकड़ियों भाग ले रही हैं ।
- यह अभ्यास संगठन देशों की सशस्त्र सेनाओं को बहुराष्ट्रीय और संयुक्त माहौल के शहरी परदृश्य में आतंकवाद की कार्रवाइयों से निपटने के लिये प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करेगा ।
- अभ्यास के दायरे में पेशेवर बातचीत, अभ्यास और प्रक्रियाओं की पारस्परिक समझ, संयुक्त कमांड एवं नयितरण संरचनाओं की स्थापना तथा शहरी काउंटर आतंकवादी परदृश्य में आतंकवादी खतरे को खत्म करना आदि शामिल है ।
- इस अभ्यास में 1700 सैन्यकर्मियों के साथ रूस सबसे बड़े भागीदार के रूप में है, इसके बाद 400 के सैन्यकर्मियों के साथ चीन और 200 के साथ भारत का स्थान है ।
- गौरतलब है कि इस अभ्यास के तहत पहली बार भारत और पाकसितान के सेनाओं ने संयुक्त आतंकवाद वरिधी अभ्यास में भाग लिया ।

शंघाई सहयोग संगठन

- SCO 2001 में स्थापति एक अंतर सरकारी संगठन है । वर्तमान में इसमें 8 सदस्य हैं ।
- SCO का मुख्यालय: बीजिंग (चीन) में स्थति है ।
- SCO की उत्पत्ति 26 अप्रैल, 1996 को स्थापति शंघाई पाँच समूह के देशों चीन, कज़ाखस्तान, रूस, कर्गिस्तान और ताजकिस्तान से मलिकर हुई थी ।
- 2001 में उज़्बेकस्तान शंघाई पाँच में शामिल हो गया और इसे शंघाई सहयोग संगठन के रूप में पुनः नामति किया गया । वर्ष 2017 में भारत और पाकसितान SCO में पूर्णकालिक सदस्यों के रूप में शामिल हुए हैं ।

जी. सतीश रेड्डी बने DRDO के नए अध्यक्ष

- प्रतष्ठिति वैज्ञानिकि जी. सतीश रेडडी को DRDO का नया अध्यक्ष नयुक्त कयिा गया है ।
- जी. सतीश रेडडी को दो साल के लयि DRDO के अध्यक्ष पद हेतु नयुक्त कयिा गया है और इसी अवधकिे दौरान वह डीओडीआरडी के सचवि भी रहेंगे ।
- उल्लेखनीय है कि इससे पूरव इस पद पर एस. क्रस्टोफर कारयरत थे उनका कार्यकाल मई 2018 में पूरा हो गया था ।
- जी. सतीश रेडडी को भारत में मसिाइल प्रणाली के अनुसंधान और वकिसा के साथ अंतरकिष वज्जिान की कई तकनीकों के वकिसा में योगदान लयि जाना जाता है ।
- इन्हें मई 2015 में रक्षा मंत्री का वैज्ञानिकि सलाहकार नयुक्त कयिा गया था ।
- मसिाइल और सामरकि प्रणाली (डीजी, एमएसएस) के महानदिशक के रूप में, उन्होंने डॉ. एपीजे अबदुल कलाम मसिाइल कॉम्प्लेक्स लेबोरेटरीज - एएसएल, डीआरडीएल और आरसीआई, आईटीआर, टीबीआरएल और अन्य तकनीकी सुवधियों का नेतृत्व कयिा ।

हदि महासागर सम्मेलन

- भारत की वदिश मंत्री ने वयितनाम की राजधानी हनोई में 27 अगस्त को हदि महासागर सम्मेलन के तीसरे संस्करण में भाग लयिा ।
- इस साल के सम्मेलन का वषिय 'क्षेत्रीय वास्तुकला का नरिमाण' था और इसमें 43 देशों ने हसिसा लयिा ।
- इससे पूरव वर्ष 2016 और वर्ष 2017 का यह सम्मेलन क्रमशः सगिापुर और श्रीलंका में आयोजति कयिा गया था ।
- हदि महासागर सम्मेलन का आयोजन इंडयिा फाउंडेशन द्वारा सगिापुर, बांग्लादेश और श्रीलंका के भागीदारों के साथ मलिकर कयिा जाता है ।
- यह एक पहल है जसिके द्वारा एक ही छत के नीचे राज्य के नेताओं, राजनयकिों और नौकरशाहों को लाने का प्रयास कयिा जाता है, ताकि एक-दूसरे के बीच समझ को मजबूत कयिा जा सके ।

इंडयिा फाउंडेशन

- इंडयिा फाउंडेशन दल्लिी में स्थति एक स्वतंत्र थकि टैंक है, जो भारतीय राजनीति और वदिश मामलों के मुद्दों, चुनौतियों और अवसरों पर केंद्रति है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-28-08-2018>

